Website:- www.dipronline.org
email:- projjn@rediffmail.com,

राजस्थान सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय,झुंझुनू

बैंकों में सुरक्षा संबंधी सम्पूर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें बैंकर्स बैंक के पैसे को अपना पैसा समझकर उसकी रखवाली करें - लाम्बा

झुंझुनू, 7 अप्रेल: जिला पुलिस अधीक्षक अजयपाल लाम्बा ने बैंकर्स से कहा है कि बैंक के पैसे को अपना पैसा समझकर बैंकों में सुरक्षा सम्बन्धी सम्पूर्ण व्यवस्थाएं पुख्ता की जानी चाहिए ताकि बैंकों में सेंधमारी और लूटपाट करने वाले मुल्जिमों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने में कठिनाई का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि नकबजनी और सेफ (तिजोरी) तोड़ने की घटनाएं आजकल दिन रात किसी भी समय होने लग गई हैं। बैंक के हर अधिकारी और कर्मचारी को संवेदनशील और सतर्क रहकर कार्य करना होगा। वे बुधवार को यहां जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के सभा भवन में जिले के सभी बैंक अधिकारियों को बैंक सुरक्षा संबंधी विशेष बैठक में सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने मुख्य रूप से बैंकों की सुरक्षा की दृष्टि से बैंकर्स से बैंकों में सिक्योरिटी गार्ड लगाने, बैंक मैनेजर व कैशियर के पांव के नीचे सात दिन में अलार्म घड़ी लगाने, रात की घटनाओं से बचने के लिए दो सप्ताह में सेन्सर ड्राईवन अलार्म लगाने और एक महिने में बैंकों में सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाने के सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि जो बैंकर्स दिये गये दिशा निर्देशों की पालना नहीं करेंगे और जांच पड़ताल में पुलिस का सहयोग नहीं करेंगे उन बैंकर्स के उच्चाधिकारियों को लिखा जाएगा तथा यह व्यवस्थाएं निर्धारित अवधि में नहीं करने पर जिन बैंकों में लूट व नकबजनी की घटनाएं घटित होंगी तो उन शाखा संचालकों को भी जांच के दायरे में लिया जायेगा। उन्होंने इस बात को पुनः दोहराया है कि उनके द्वारा ऐसे निर्देश गत 6 माह की अवधि में बैंकर्स को दिये गये थे, लेकिन कुछेक बैंकों को छोड़कर किसी ने पालना नहीं की है, जिसके कारण सूरजगढ़ में गत माह दिन में ही अपराधी बैंक से लूट के बाद इतमिनान के साथ वहां से भाग गये। अगर बैंक कर्मी लुटरों के नीचे उतरने से पहले ही शोर शराबा करते तो लुटेरे वहां से भाग नहीं पाते। हमें ऐसे मामलों में हिम्मत से काम लेते हुए बैंक को लूट से बचाने के लिए एहतियाती कदम भी उठाने होंगे।

जिला पुलिस अधीक्षक ने बैंकर्स से कहा कि हरियाणा सीमा से सटे गांव एवं कस्बों में संचालित सभी प्रकार के बैंकों में यह सुविधाएं हर हाल में इस माह तक सुनिश्चित हो जानी चाहिए। जांच में पाया गया है कि अभी भी जिले की 143 बैंक शाखाओं में से अनेकों में सिक्योरिटी गार्ड नहीं हैं और जिनमें गार्ड लगे हुये हैं वे भी सक्षम नहीं है। यह भी ध्यान में आया

है कि इन सिक्योरिटी गार्डों से सिक्योरिटी गार्ड के बजाय दिन में अन्य कार्य भी बैंक समय में करवाये जाते हैं, जिसकी वजह से भी ये मुस्तैद नहीं रह पाते हैं। उन्होंने बैंकों में आने वाले नाबालिग बच्चों व समूह के रूप में आने वाले युवा तथा अनजान व्यक्तियों पर कड़ी निगाह रखने के निर्देश भी दिये हैं। उन्होंने बैंकर्स से कहा कि बैंक में किसी प्रकार की अप्रिय घटना होने के बाद पुलिस को सूचित करें व पुलिस के आने से पहले किसी भी वस्तु को इधर-उधर नहीं करें और ना ही बैंक में दूसरे लोगों का प्रवेश होने दें ताकि पुलिस लुटेरों तक जल्द पहुंचने में कोई सुराग मौके से जुटा सके। बैंकर्स को चाहिए कि वे बैंक में आने-जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक ही गेट रखें और वह भी चैनल लगा व सांकल से बंधा हुआ होना चाहिए। इस गेट में एक से अधिक व्यक्ति एक समय में प्रवेश नहीं कर सके। बैंक सुरक्षा की दृष्टि से बैंक का भवन अच्छी जगह होना चाहिए।

.......2......

उन्होंने बैंकर्स से कहा कि जिन बैंकों में सिक्युरिटी के लिए पुलिस व होमगार्ड के जवान की आवश्यकता हो तो उनके लिखित में आवेदन करने व उनके मानदेय की राशि जमा कराने पर तत्काल उन्हें मांग के अनुरूप जवान उपलब्ध करवा दिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि बैंकों में लगाये गये सुरक्षा संबंधी उपकरणों की समय-समय पर जांच भी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो बैंकर्स भविष्य में बैंक सुरक्षा के उपाय संबंधी उपकरणों को नहीं लगायेंगे तो यह माना जायेगा कि किसी घटना में बैंक कर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने जिले के कुछेक बैंकों को पूर्णतया सुरक्षित बैंक की संज्ञा दी वहीं राजस्थान ग्रामीण बैंक, केन्द्रीय सहकारी बैंक, भूमि विकास बैंक व बैंक ऑफ बड़ौदा आदि बैंकों को अभी भी असुरक्षित बैंकों की श्रेणी में मानते हुए इन बैंक शाखाओं के अधिकारियों से सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने की हिदायत दी है।

राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ प्रबन्धक उम्मेद सिंह उदावत ने बताया कि जिले में बैंक की 57 शाखाएं क्रियाशील हैं जिनमें से जिले की सीमा पर संचालित 10 शाखाओं में दिन-रात के सायरन लगा दिये गये हैं और अगले 10 दिन में सभी शाखाओं में यह व्यवस्था हो जायेगी तथा सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाने के कोटेशन हो चुके हैं और सभी बैंकों में चैनल गेट लगाने के निर्देश भी दिये जा चुके हैं। जिला पुलिस अधीक्षक ने बैंकर्स द्वारा पूछे गये सवालों को उत्तरित करते हुए आश्वासन दिया कि सभी बैंक सुरक्षा संबंधी उपकरणों की व्यवस्था एक माह में कर लेवें। पुलिस भी सतर्क, मुस्तैद और सजग रहकर बैंकों में आने जाने वाले अवांछित लोगों पर सादा वेश में सत्त निगरानी रखेगी। उन्होंने जिले को 100 नम्बर फोन से शीघ्र ही जोड़ने की बात कही। जिला पुलिस द्वारा आयोजित इस बैठक में पुलिस उपाधीक्षक अर्जुन सिंह व होमगार्ड के उप समादेष्टा महेश इन्दोरिया सहित जिले के सभी बैंक अधिकारी भी उपस्थित थे।

नक्सलियों के हमले में झुंझुनू के तीन जवान शहीद

झुंझुनू, 7 अप्रेलः छतीसगढ़ स्थित दंतेवाड़ा के चिन्तल नार क्षेत्र में मंगलवार को नक्सलियों के हमले में झुंझुनू जिले के तीन जवान शहीद हो गये हैं। यह तीनों जवान सी.आर.पी.एफ. में तैनात थे। अपर कलेक्टर के.एल. मीणा ने बताया कि चिड़ावा तहसील के लाखू गांव के 46 वर्षीय डिप्टी कमाण्डेण्ट सत्यवान सिंह यादव, खेतड़ी तहसील की ढाणी लाल गुड़ा मीणान तन पपूरना के 30 वर्षीय सहायक कमाण्डेण्ट बजरंग लाल मीणा और उदयपुरवाटी तहसील के टीटनवाड़ गांव के 35 वर्षीय कांस्टेबल-ड्राईवर सम्पतलाल मेघवाल नक्सलियों के हमले में शहीद हुये हैं, जिनके पार्थिव शव बुधवार की देर रात तक तीनों के पैतृक गांव पहुंचने की संभवना है। पार्थिव शव पहुंचने के बाद इन तीनों शहीदों की अत्येंष्टि उनके पैतृक गांवों में गुरूवार को पूर्ण राजकीय एवं सैनिक सम्मान के साथ की जायेगी।

साधारण सभा की बैठक 16 अप्रेल को

झुंझुनू, 7 अप्रेलः जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक आगामी 16 अप्रेल को 11 बजे जिला परिषद के सभा भवन में आयोजित की जायेगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी.एम. काला ने बताया कि जिला परिषद के नव निर्वाचित सदस्यों की पहली बैठक में जिला परिषद एवं पंचायत समितियों के वर्ष 2010-11 के बजट का अनुमोदन करने के साथ ग्रामीण विकास योजनाओं व पेयजल आदि पर भी विशेष चर्चा की जायेगी।